‘टाइगर रिज़र्व के बफर क्षेत्रों का विकास’ योजना

चर्चा में क्यों?

मध्य प्रदेश सरकार द्वारा वित्तीय वर्ष 2025-26 से 2027-28 के लिये नवीन योजना "टाइगर रिज़र्व के बफर क्षेत्रों का विकास" के लिये 145 करोड़ रुपए की सैद्धांतिक स्वीकृति प्रदान की गई।

मुख्य बिंदु:

- **योजना के बारे में:**
  - यह योजना प्रदेश के 9 टाइगर रिज़र्व से लगे **बफर क्षेत्रों** में लागू की जाएगी।
  - इसका उद्देश्य बाघों और अन्य वन्य प्राणियों की सुरक्षा सुनिश्चित करते हुए मानव-वन्यजीव संघर्ष को कम करना तथा पर्यावरणीय सततता को बढ़ावा देना है।
- योजना के अंतर्गत निम्नलिखित कार्य किये जाएंगे:
  - **संवेदनशील क्षेत्रों में चेनलिंक फेंसिंग** (बाड़बंदी) का निर्माण किया जाएगा ताकि मानव-वन्यजीव संघर्ष को रोका जा सके।
  - **वन्य प्राणियों की सुरक्षा** के लिये और **अग्नि सुरक्षा** की दृष्टि से आवश्यक कदम उठाए जाएंगे।
  - **चारागाहों एवं जल स्रोतों का विकास** किया जाएगा, जिससे जानवरों को प्राकृतिक संसाधन सुलभ हों।
  - **वन्य प्राणियों का उपचार एवं स्वास्थ्य परीक्षण** की व्यवस्था की जाएगी ताकि रोगों के प्रसार को रोका जा सके।
  - इसके अतिरिक्त, **स्थानीय नागरिकों को प्रशिक्षण** देकर उनके **कौशल का उन्नयन** किया जाएगा, जिससे उनके लिये **वैकल्पिक आजीविका** के साधन तैयार किये जा सकें।
- पिछले 4 वर्षों में प्रदेश में बाघों की संख्या **526 से बढ़कर 785** हो गई है, जो वन्यजीव संरक्षण के क्षेत्र में एक बड़ी उपलब्धि है।

मध्य प्रदेश के टाइगर रिज़र्व

क्र.सं.	टाइगर रिज़र्व	अधिसूचना वर्ष	क्षेत्र (ज़िला)
1.	कान्हा टाइगर रिज़र्व	2007	मंडला और बालाघाट
2.	पेंच टाइगर रिज़र्व	2007	सिवनी
3.	बांधवगढ़ टाइगर रिज़र्व	2007	उमरिया
4.	सतपुड़ा टाइगर रिज़र्व	2007	नर्मदापुरम
5.	पन्ना टाइगर रिज़र्व	2007	पन्ना
6.	संजय-दुबरी टाइगर रिज़र्व	2011	सीधी
7.	वीरांगना दुर्गावती टाइगर रिज़र्व	2023	दमोह और सागर
8.	रातापानी टाइगर रिज़र्व	2024	रायसेन और सीहोर
9.	माधव टाइगर रिज़र्व	2025	शिवपुरी

बाघ

रॉयल बंगाल टाइगर (*Panthera Tigris*) भारत का राष्ट्रीय पशु है।

बाघ की उप प्रजातियाँ

* महाद्वीपीय (पैंथेरा टाइग्रिस टाइग्रिस)
* सुंडा (पैंथेरा टाइग्रिस सोंडाइका)

प्राकृतिक अधिवास

उष्णकटिबंधीय वर्षावन, सदाबहार वन, समशीतोष्ण वन, मैंग्रोव दलदल, घास के मैदान और सवाना

देश जहाँ बाघ पाए जाते हैं

- 13 बाघ रेंज देश जहाँ यह प्राक्रतिक रूप से पाए जाते हैं उनमें- भारत, नेपाल, भूटान, बांग्लादेश, म्याँमार, रूस, चीन, थाईलैंड, मलेशिया, इंडोनेशिया, कंबोडिया, लाओस और वियतनाम शामिल हैं।
- IUCN की नवीनतम रिपोर्ट के अनुसार, कंबोडिया, लाओस और वियतनाम में बाघ विलुप्त हो गए हैं।

संरक्षण की स्थिति

- **IUCN** रेड लिस्ट: लुप्तप्राय
- **CITES :** परिशिष्ट-I
- **WPA 1972 :** अनुसूची-I

खतरे

- आवास विखंडन
- अवैध शिकार
- मानव-वन्यजीव संघर्ष

संरक्षण संबंधी प्रयास

- इंटरनेशनल बिग कैट्स एलायंस (IBCA): बाघ, शेर, तेंदुआ, हिम तेंदुआ, चीता, जैगुआर और प्यूमा नामक सात बड़ी बिल्लियों के संरक्षण के लिये (भारत द्वारा शुरू)
- Tx2 अभियान: WWF द्वारा आरंभ किया गया; 2022 तक बाघों की आबादी को दोगुना करने के लक्ष्य को इंगित करते हुए 'टाइगर टाइम्स 2' को संदर्भित करता था
- राष्ट्रीय बाघ संरक्षण प्राधिकरण (NTCA): WPA, 1972 के तहत गठित
- प्रोजेक्ट टाइगर : 1973 में लॉन्च किया गया
- बाघों की गणना : प्रत्येक 5 वर्ष में

भारत में बाघ

- भारत में इनकी संख्या सबसे अधिक है
  - वर्ष 2022 तक, भारत में बाघों की संख्या 3167 थी
  - मध्य भारतीय उच्च भूमि और पूर्वी घाट में इनकी सबसे बड़ी आबादी पाई गई है
- टाइगर रिजर्व: भारत में अब 53 टाइगर रिज़र्व हैं
  - नवीनतम टाइगर रिज़र्व उत्तर प्रदेश का रानीपुर है
  - नागार्जुन सागर (आंध्र प्रदेश) सबसे बड़ा टाइगर रिज़र्व है जबकि ओरंग (असम) सबसे छोटा (कोर क्षेत्र) है।

Drishti IAS

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/development-of-buffer-zone-of-tiger-reserve-scheme